आधुनिकतम विभिन्न शिक्षा प्रणाली एवं तकनिकी व्यवस्थाओ से युक्त संस्था को प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। जो व्यवहारिक प्रशिक्षण का आदर्श बन चूका है। अपने आदर्श के अनुरूप यह संस्था तकनीकि एवं विभिन्न शिक्षा क्षेत्रों (टीचर ट्रेनिंग, फैशन डिजाइनिंग, ब्यूटिशियन, फायर एंड सेफ्टी, स्पोकेन इंलिश और पर्सनाल्टी डेवलपमेंट, शार्ट टर्म कम्प्यूटर एंड वोकेशनल कोर्स) कुशल एवं उपयोगी प्रशिक्षु बनाने के लिए प्रयास किया है। और आगे भी अपना अथक एवं सर्वोच्च प्रयास जारी रखेगा।

वे सभी युवा जो हमारी संस्था में विभिन्न शिक्षा में नामांकन लेते है वे सभी बधाई एवं आशीर्वाद के पात्र है उन्हें हम आशवस्त करना चाहते है जो भी विवरणिका में उल्लेखित है उन सभी उद्येश्यों एवं सूचना का अक्षरशः पालन करेगा।

आज की वर्तमान शिक्षा पद्धति सतही स्तर पर दी जाती है परिणाम स्वरुप डिग्रियों की बाढ़ सी बाजार में आ गयी है और युवा दर दर की ठोकरे खा रहे है।

वर्त्तमान सरकारी शिक्षा प्रणाली में कई प्रकार दोष दिखाई पड़ते है। अतः हम आपको आशवस्त करते है कि हमारे यहाँ न केवल कुशल प्रशिक्षण के द्वारा उच्च तकनिकी प्रशिक्षण के साथ साथ वेल-स्पोकन इंग्लिश एवं पर्सनाल्टी डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाता है । ताकि प्रशिक्षु अपना सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके। हमारी संस्था के द्वारा प्रदत्त कोर्स की प्रमाणिकता देश एवं विदेश में स्वतः सिद्ध है अर्थात मान्यता प्राप्त है आप यहाँ आंमंत्रित है और सम्पूर्ण सूचना यहाँ प्राप्त करें और अपने योग्यता एवं रूचि के अनुकूल विशेष कोर्स का चुनाव करें तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर ससम्मानित जीने की राह की ओर अग्रसर हो।

संस्था में अपना मूल्यवान समय देने तथा हमारी जानकारी प्राप्त करने के लिए सधन्यवाद

.....

आपका भवदीय

प्रवेश सम्बन्धी नियम

1. १५ वर्ष से ऊपर की उम्र के लिए कोई भी महिला या पुरुष जो तकनीक के क्षेत्र में रूचि रखते हों जिहे हिंदी व अंग्रेजी पढ़ने तथा लिखने आती हो वे प्रवेश ले सकते हैं।
2. आचार्य की अनुमति के बिना विद्यार्थी कक्षा छोड़कर किसी से मिलने नही जाएगा।
3. विद्यार्थी की शिक्षा काम से काम हाईस्कूल या समकक्ष हो।
4. विद्यार्थी को प्रवेश के समय दो फोटो, हाईस्कूल सर्टिफिकेट का फोटोकॉपी, आधार कार्ड का फोटोकॉपी जमा करना आवश्यक है।
5. प्रत्येक कोर्स के लिए संस्था की वेबसाइट पर जाकर आनलइन प्रवेश ले सकते हैं तथा शुल्क संस्था के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकते हैं।
6. प्रवेश को रद्द करना सस्था के अधिकार क्षेत्र में है

संस्था में प्रशिक्षण की व्यवस्था

1. छात्र को संस्था में अनुशाषित रहकर अध्ययन करना पड़ेगा।
2. प्रशिक्षक को बिना सूचना दिए १० दिनों तक लगातार अनुपस्थिति रहने पर छात्र का नाम काट दिया जाएगा एवं जमा की गई शिक्षण शुल्क वापिस नहीं होगी
3. यदि छात्र सेकोई टूट फूट होती है तो उसकी कीमत जमा करनी होगी। छात्र को पूर्ण धनराशि जमा करने पर ही प्रमाणपत्र दिया जाएगा।
   शिक्षण शुल्क प्रत्येक माह से जमा न करने पारा छात्र को कक्षा में बैठने की अनुमति नही दी जाएगी।
4. छात्र किसी प्रकार का व्यसन संस्था या कक्षा में नही करेगा अगर छात्र किसी प्रकार का मादक प्रदार्थ का सेवन करते हुए मिलता है तो प्रशिक्षक छात्र को दण्डित एवं निष्काषित कर सकते हैं।
5. प्रशिक्षण के दौरान संस्था का बैग एवं सस्था का परिचय पत्र साथ रखना अनिवार्य है।
6. पूर्ण संतुष्ट होने तक प्रशिक्षण की गारंटी संस्था की होगी बशर्ते छात्र के कोर्स की पूरी फीस (प्रति माह या एक मुस्त) जमा हो छात्र की उपस्थिति ७५ प्रतिशत तथा चाल चलन ठीक हो एवं फाइनल परीक्षा पास हो।
7. रविवार को संस्था में अवकाश रहेगा

संस्था के नियम व शर्ते

1. प्रैक्टिकल के लिए सभी आवश्यक सामान संस्था निःशुल्क उपलब्ध करायेगा।
2. शुल्क विवरण में अंकित शुल्कों एवं प्राशिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रकार का शुल्क या काशनमनी संस्था नहीं लेती है।
3. प्रवेश आवेदन शुल्क व प्रशिक्षण शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापिस नहीं होगा परन्तु भविष्य में छात्र चाहे तो शेष शुल्क के साथ पुनः प्रवेश लेकर पढ़ सकता है। पूर्व में जमा प्रशिक्षण शुल्क की रसीद दिखाने पर उतनी राशि काम कर दी जाएगी।
4. मासिक प्रशिक्षण शुल्क तथा एक साथ जमा की गयी प्रशिक्षण शुल्क रसीद कटने के बाद किसी भी स्थिति में वापिस नहीं होगी। लेकिन छात्र बाद में आकर पढ़ सकते है परन्तु उन पर नए सत्र का शुल्क लागु होगा ।
5. एक कोर्स में प्रवेश लेने के बाद दूसरे कोर्स के लिए पुनः प्रवेश लेना होगा।
6. किसी कोर्स का शुल्क दूसरे कोर्स में ट्रांसफर नहीं होगा।
7. यदि कोई छात्र एक साथ दो कोर्स करना चाहता है तो उसे दोनों कोर्स में अलग-अलग प्रवेश लेना होगा तथा रोल न० दोनों कोर्स के लिए अलग – अलग होगा।
8. किसी प्रकार का शुल्क किसी दूसरे छात्र के नाम स्थानान्तरित नहीं होगा। बीच में पढाई छोड़ देने पर अग्रिम प्रशिक्षण शुल्क के अतिरिक्त सभी शुल्क निरस्त हो जायेंगे। परन्तु भविष्य में यदि छात्र चाहे तो बकाया शुल्क के साथ पुनः प्रवेश शुल्क जमा कर के फिर से पढ़ सकता है।
9. यही छात्र अपनी इच्छा से कोर्स पूर्ति करने से पहले ही संस्था छोड़ कर चला जाता है तो जमा की गयी राशि वापिस नहीं लौटाई जाएगी।
10. प्रशिक्षण के बीच में किसी प्रशिक्षा आदि के लिए लम्बी छूटी लेने की आवयश्कता हो तो अवेदन करने पर छात्र को बैक सत्र में जाकर छूटे हुए कोर्स को पूरा करने का अवसर दिया जा सकता है। बशर्ते छात्र की चालु माह तक शुल्क जमा हो। अधिक लम्बी छुटटी होने पर छात्र को छूटे सेमेस्टर से किसी बैक सत्र में पढ़ना होगा।
11. फाइनल परीक्षा में फेल हो जाने वाले छात्र केवल फाइनल परीक्षा शुल्क जमा करके एक माह का रिवीजन कोर्स कर सकते है।
12. अनुशासनहीन छात्र को किसी भी अवस्था में संस्था में नहीं रखा जायेगा।
13. प्रवेश लेने के 5 दिन के अन्दर प्रशिक्षण शुल्क जमा न करने पर प्रवेश शुल्क निरस्त हो जायेगा।
14. कक्षा में उपस्थित हो जाने के बाद एक कोर्स से दूसरे कोर्स में स्थानांतरण कराने पर दूसरे कोर्स के लिए प्रवेश एवं प्रशिक्षण शुल्क देय होगा।
15. 3 माह वाले कोर्स जैसे – मोबाइल, टैली, इन्वर्टर, हॉउस वायरिंग, डी0टी0पी0 इत्यादि की कॉन्ट्रैक्ट फीस (पुरे कोर्स की एक साथ जामा राशि) प्रशिक्षण का प्रथम माह गुजर जाने के बाद वापस नहीं होगा।
16. ट्रेनिंग के बीच किसी परीक्षा आदि के लिए अवकाश लेने की आवश्यकता हो तो छात्र को अवकाश हेतु आवेदन पत्र देना अनिवार्य है। आवेदन पत्र न देने की स्थिति में पुनः प्रवेश शुल्क देय होगा।
17. संस्था किसी भी आवश्यकतानुसार किसी भी नियम में परिवर्तन कर सकती है। शाखा निदेशक का निर्णय शाखा में अंतिम होगा। विशेष जानकारी व परिवर्तन के लिए शाखा निदेशक से सम्पर्क करे – जिसका अधिकार उसके पास सुरक्षित है।

परीक्षा सम्बधी नियम : –

1. प्रत्येक छात्र को प्रतिमाह सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म भरकर सेमेस्टर परीक्षा देना अनिवार्य है।
2. परीक्षा के माध्यम के लिए केवल हिंदी एवं अंग्रेजी भाषायें ही स्वीकृत है।
3. यदि किसी कारणवश किसी छात्र का सेमेस्टर परीक्षा छूट गया हो तो आवेदन पत्र देकर अगले माह की परीक्षा के साथ बैक सेमेस्टर की परीक्षा भी दी जा सकती है।
4. प्रत्येक माह के 1 ता0 से 10 ता0 तक मासिक एवं फाइनल फॉर्म भरे जाते है। 11 ता0 को विलम्ब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भरा जाएगा। 12 ता0 से फॉर्म नहीं भरा जायेगा।
5. नोट – बुक पर भी नंबर दिया जाता है। अतः नोट – बुक स्वच्छ तैयार रखना उचित है।
6. सेमेस्टर परीक्षा के प्राप्ताँक भी फाइनल परीक्षा में जोड़े जाते है। अतः सेमेस्टर परीक्षा को भी फाइनल परीक्षा का एक अंश मानना चाहिये।
7. वाइवा (मौखिक परीक्षा) फाइनल परीक्षा का एक हिस्सा है। अतः कक्षा में बताये गए छोटी – छोटी बातो को भी ध्यान से सुन कर नोट कर लेना हितकर होगा।
8. मासिक परीक्षा एवं फाइनल परीक्षा तिथि से दो दिन पहले किसी आकस्मिक परिस्थिति में संस्था के ऑफिस में सूचित कर एक बार परीक्षा अगले माह के लिए ट्रांसफर करवाया जा सकता है। किन्तु आकस्मिक परिस्थिति का प्रमाण पत्र देना होगा तभी ट्रांसफर संभव होगा अन्यथा परीक्षा में उपस्थिति न होने पर परीक्षा शुल्क स्वतः निरस्त हो जायेगा।

9. फाइनल परीक्षा में बैठने के लिये कोर्स का प्रशिक्षण काल पूरा होना आवश्यक है। इसके साथ ही छात्र का परीक्षा आवेदन पत्र फोटो आदि प्रमाणित होना आवश्यक है।
10. परीक्षा में असफल होने वाले छात्र परीक्षा शुल्क जमा करके आगामी परीक्षा में पुनः सम्मलित हो सकते है।
11. परीक्षा फॉर्म भरने के पश्चात परीक्षा न देने पर परीक्षा शुल्क निरस्त हो जायेगा।
12. फाइनल परीक्षा का परीक्षा परिणाम धोषित हो जाने के बाद एक माह के भीतर पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया जा सकता है। यदि पुनर्मूल्यांकन में अंक बढ़ जाता है तो शुल्क वापस कर दिया जायेगा किन्तु पूर्व निरीक्षक द्वारा दिया गया अंक किसी स्थिति में कम नहीं किया जायेगा।
13. छात्र कही से भी अपने प्रमाण पत्र का सत्यापन व रिसल्ट संस्था की वेबसाइट पर जा कर चेक कर सकते है तथा यदि किसी कंपनी में भी वह अपना प्रमाण पत्र लगाते है तो कंपनी भी ऑनलाइन सर्टिफिकेट का सत्यापन कर सकती है।

परीक्षा श्रेणी विभाजन :-

1. छात्र की फाइनल परीक्षा कोर्स समाप्त होने एवं मासिक परीक्षा पूर्ण होने के बाद ही होगी। फाइनल परीक्षा के एक माह बाद छात्र को अंक-पत्र एवं प्रमाण पत्र संस्था द्वारा उपलब्ध होगा।
2. प्रत्येक परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्रति प्रश्नपत्र पाना अनिवार्य है। फाइनल एवं सेमेस्टर परीक्षाओ के अंको के योग के आधार पर श्रेणी निर्धारित की जाएगी। 40% to 49% Barely Passed, 50% to 59% marks will be considered satisfied, 60% too 69% will be considered Good, 70% to 74% marks will be considered very Good and 75% and above marks will be considered excellent.
3. परीक्षा में (मासिक+फाइनल) पास होने पर ही अंक-पत्र प्रमाण-पत्र दिया जायेगा फेल होने पर पुनः परीक्षा शुल्क जमा कर के परीक्षा देना होगा।
4. मासिक परीक्षा निर्धारित माह से एक माह बाद देने पर तथा फाइनल परीक्षा निर्धारित सेशन के समाप्ति से छः माह बाद परीक्षा देने पर बैक परीक्षा माना जायेगा। ऐसे परीक्षा का शुल्क सामान्य परीक्षा का दो गुना शुल्क जमा करके परीक्षा देना होगा।
5. प्रशिक्षण एवं परीक्षा सम्बन्धी किसी भी शिकायत के लिए प्रधानाचार्य या संचालक से मिले समुचित उत्तर न मिलने पर परीक्षा विभाग को लिखे या मेल करें तथा मोबाइल नंबर के साथ बिना नाम पता वाले शिकायत पत्रों पर कोई कार्यवाही ही की जाएगी।

Fee :-

1. एक साथ दो या दो से अधिक कोर्स का शुल्क एक साथ जमा करने पर दोनों शिक्षण शुल्क के टोटल रकम में 15 प्रतिशत का छूट दिया जायेगा।
2. यदि कोई छात्र अपने कोर्स का पुनराबृत्ति (रिवीजन) करता है तो यदि वर्तमान शुल्क पहले दी गयी शुल्क से ज़्यदा है तो उस छात्र को बढ़ी हुई शुल्क जमा करना होगा।
3. यदि कोई शाखा किसी कारण वस बंद हो जाती है तो उस शाखा के छात्र अपने नजदीकी शाखा या प्रधान कार्यालय में शेष प्रशिक्षण बढ़ा लागु शुल्क जमा करके पूरा कर सकते है। इसके लिए पिछले शाखा का शुल्क का विवरण एवं परिचय पत्र होना अनिवार्य है।
4. पुनः प्रवेश लेने पर पुनः प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। जिसमे किसी प्रकार का विवाद मान्य नहीं होगा।
5. शिक्षण शुल्क दिवस प्रतिमाह के 16 ता0 पर अग्रिम शुल्क जमा होगा। 17 ता0 से 20 ता0 तक प्रतिदिन 10 रु विलम्ब शुल्क के साथ शिक्षण शुल्क जमा होगा। 21 ता0 को शिक्षण शुल्क पुनः व प्रवेश शुल्क के साथ जमा होगा। इसी प्रकार शुल्क दिवस प्रतिमाह की 01 ता0 के लिए भी है।

परिचय / उद्देश्य :-

(रमा टेक्निकल कॉलेज) देश व समाज के विकास में सहयोग देने वाली एक मात्र प्रामाणिक एवं सर्वोच्च संस्था है। जो व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ साथ सभी प्रकार शिक्षा (टीचर ट्रेनिंग, फैशन डिजाइनिंग, ब्यूटिशियन, फायर एंड सेफ्टी, स्पोकेन इंलिश और पर्सनाल्टी डेवलपमेंट, शार्ट टर्म कम्प्यूटर एंड वोकेशनल कोर्स) आप सब की सेवा के लिए समर्पित है। यह संस्था Govt. of india NCT-DELHI Under 1882, Govt. of india (Regd.by MHRD Under CR-Act 1957, Govt. india) द्वारा Registered है। इसका कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत वर्ष में है। तथा यह संस्था QMS I.S.O 9001:2015 प्राप्त भी है।

देश की व्यापक बेरोजगारी को देखते हुए आज रमा टेक्निकल कालेज उच्च मापदण्ड एवं आदर्श स्थापित करते हुए एक विश्वसनीय रोजगारोन्मुख शैक्षिक संस्थान स्थापित हुआ है।

व्यावसयिक शिक्षा के सत्यापित सिद्धान्तों का अनुपालन करते हुए अति सुलभ सर्वोपयोगी रमा टेक्निकल कालेज की स्थापना की गयी है जो पूर्णतः व्यावहारिक एवं वर्तमान में तीव्र मांग का परिचायक है ताकि विभिन्न बहुउद्देशीय शिक्षा को प्राप्त कर प्रशिक्षु विश्व के किसी भी देश में स्वतः सिद्ध हो सकें। और अपने जीवन को ससम्मान सहित निर्वहन सहजता से कर सकें।

संस्था में आने वाले सामान्य एवं विशिष्ट प्रतिभाशाली छात्र अपनी योग्यता के अनुरूप संस्था के द्वारा प्रदत्त विभिन्न प्रकार के कोर्सो में से चुनाव कर परिपूर्णता को प्राप्त कर सकता है और आत्मविश्वास के साथ कही पर भी प्रभावी ढंग से अपनी सार्थकता को सिद्ध कर सके। चूकिं देश विदेश में तकनीकि शिक्षा के साथ-साथ फायर सेफ्टी, कंप्यूटर, प्रस्नाल्टी डेवलपमेंट, ब्यूटीशियन , फैशन डिजाइनिंग, फाइनेंशियल हार्डवेयर, नेटवर्किंग, मल्टीमीडिया इत्यादि की मांग सर्वाधिक है। जिसके अभाव में नवयुवक बड़ी -बड़ी कंपनियों में निर्वहन नहीं कर पाते। अत एव सभी युवाओ के लिए प्रत्येक विभाग में पूर्णता प्राप्त करने का अवसर सिर्फ यहाँ अर्थात रमा टेक्निकल कॉलेज में उपलब्ध होता है। जिसकी प्रमाणिकता सर्वभौमिक एवं स्वतः सिद्ध है।

आज देश में प्रशिक्षण सम्बधित हजारो संस्थान है परन्तु ये संस्थान अपनी भूमिका का सार्थक निर्वहन नहीं कर पा रही है यहाँ प्रशिक्षित युवा रोजगार के लिए हर जगह भटक ही रहे होते है क्योकि उनके पास निरर्थक एवं अनुपयोगी प्रमाण पत्र होता है और कुछ भी नहीं होता है यहाँ तक की युवाओ में न ही पूर्ण प्रशिक्षण होता है और न आत्मविश्वास।

इस अभाव को धयान में रखते हुए रमा टेक्निकल कॉलेज तकनीकि शिक्षा के साथ साथ युवाओ को पूर्ण रूपेण हर प्रकार समृद्ध करने का प्रयास करता है जिससे युवाओ का व्यक्तित्व हर परिस्थिति में प्रभावी हो सके और जीवन के विभिन्न मूल्यों की सार्थकता पूर्ण हो सके।

प्रशिक्षण के लिए रमा टेक्निकल कॉलेज ही क्यों ?

1 अत्याधुनिक एअर कंडिशनर लैब व् थ्योरी क्लासेज

2 प्रोजेक्टर द्वारा शिक्षण एवं प्रसिक्षण

३ आधुनिकतम वर्कशाप के द्वारा तकनिकी शिक्षण

4 योग्तम ,अनभवी एवं कुशल शिक्षको द्वारा अध्यापन

5 अत्यल्प समयावधि में एजुकेसन एवं तकनिकी प्रसिक्षण कार्यकर्म

6 सहज ,सरल एवं ग्राहय ज्ञान के लिए निरंतर प्रोत्साहन

7 सुगम्य एवं स्वाभाविक शैक्षणिक वातावरण

8 नियमित एवं नवाचार प्रेक्टिकल की व्यस्था

9 दृढ़ अनुशासनिक ब्यवस्था

10 समुचित निर्देशन , समर्पण , आत्मनिर्णय एवं अनुशासन के प्रति पूर्ण ऊत्तरदायित्व

11 शिष्यों के प्रति शिक्षको का आत्मीय एवं समर्पित भाव

प्रशिक्षण प्राप्त करने केलिए किसी संस्था में प्रवेश लेने से पूर्व क्या आपने विचार किया है

1 प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षु की सख्या का अनुपात क्या है ?

2 प्रशिक्षक की योग्यता एवं उस संस्था का नाम क्या है ?

3 प्रेक्टिकल की समयावधि कितनी है ?

4 प्रेक्टिकल हेतु संसाधन की बेवस्था कैसी है ?

5 क्या परम्परागत प्रेक्टिकल की बेवस्था ही संचालित होती है

6 प्रशीक्षुओ के समस्याओँ का निवारण हेतु बेवस्था ही संचालित होती है ?

7 प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षु की समस्याओं का निवारण की क्या वेवस्था है ?

8 क्या संस्था मात्र धन बनाने हेतु प्रसिक्षण कार्यक्रम चलाते है अथवा समर्पित भाव भी है या नहीं ?

9 क्या संस्था iso मान्यता को पुर्ण करती है या नहीं ?

10 संस्था में प्रवेश लेने के दौरान छात्र द्वारा पूछताछ किया जाना स्वाभाविक है , क्या संस्था के संचालक इन परिस्थितीयों में अपनी और संस्था की कमजोरियों एवं कमियों को छुपाने की कोशिश कर रहा है ?

11 .क्या आप भूतपूर्व छात्रो की वर्तमान स्तिथि से अवगत है ? क्योंकि वास्तविक मूल्याँकन भूतपूर्व छात्रो के सन्दर्भ में की जा सकती है अतएवं संस्था में प्रवेश लेने से पूर्व इश जानकारी लेना आवश्यक है अन्यथा आप अपना बहुमूल्य समय एवं धन दोनों नस्ट कर लेंगे

12 .जीवन समय रूपी रेत का टीला है अतः प्रत्येक क्षण का उपयोग होना आवश्यक है